

“बूंदी जिले की कृषि उत्पादकता का सामान्य अध्ययन”

हिमांशु सोनी(शोधार्थी) 1, श्री प्रमोद कुमार जनोलिया (शोधपर्यवेक्षक) 2,

शोधार्थी करियर पॉइंट यूनिवर्सिटी कोटा राज.

ABSTRACT :- भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जीविका उपार्जन में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए वर्तमान समय में भी भारत अपनी विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या का पोषण कृषि के माध्यम से कर रहा है वस्तुतः भारत के विकास का आधार आज भी कृषि व पशुपालन है 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 54.6% जनसंख्या कृषि कार्यों पर निर्भर है देश के कई उद्योगों को कच्चा माल कृषि से ही प्राप्त होता है राष्ट्रीय आय में महत्वपूर्ण रूप से कृषि का बड़ा हिस्सा है कृषि का उत्पादन भारत में हालाँकि कम होता जा रहा है परन्तु अभी भी हमारे किसान अपने अथक परिश्रम से देश की माटी से सोना उपजा रहे हैं।

कृषि उत्पादकता किसी क्षेत्र विशेष की उन परिस्थितियों, कौशल, तकनीकी, कृषक ज्ञान, जलवायु, आदि का ध्योतक है जिससे उत्पादकता में वृद्धि होती है, उत्पादकता का सम्बन्ध कृषि से सम्बंधित सभी भौतिक, मानवीय व जैविक कार्यों की आपसी सम्बन्धता से है ये सभी क्षेत्र के विकास, मानव जीवन की उच्चता ही नहीं अपितु उससे भी अधिक उस क्षेत्र से जुड़े सभी आवश्यक संसाधनों की वृद्धि होने से है उत्पादकता बढ़ने से कृषक की आय, क्षेत्रीय उत्पादन, कृषक की आर्थिक संबलता व सम्पन्नता में भी वृद्धि होती है और समग्र विकास की अवधारणा सिद्ध होती है।

Key word :- productivity, kendall's coefficient, crops

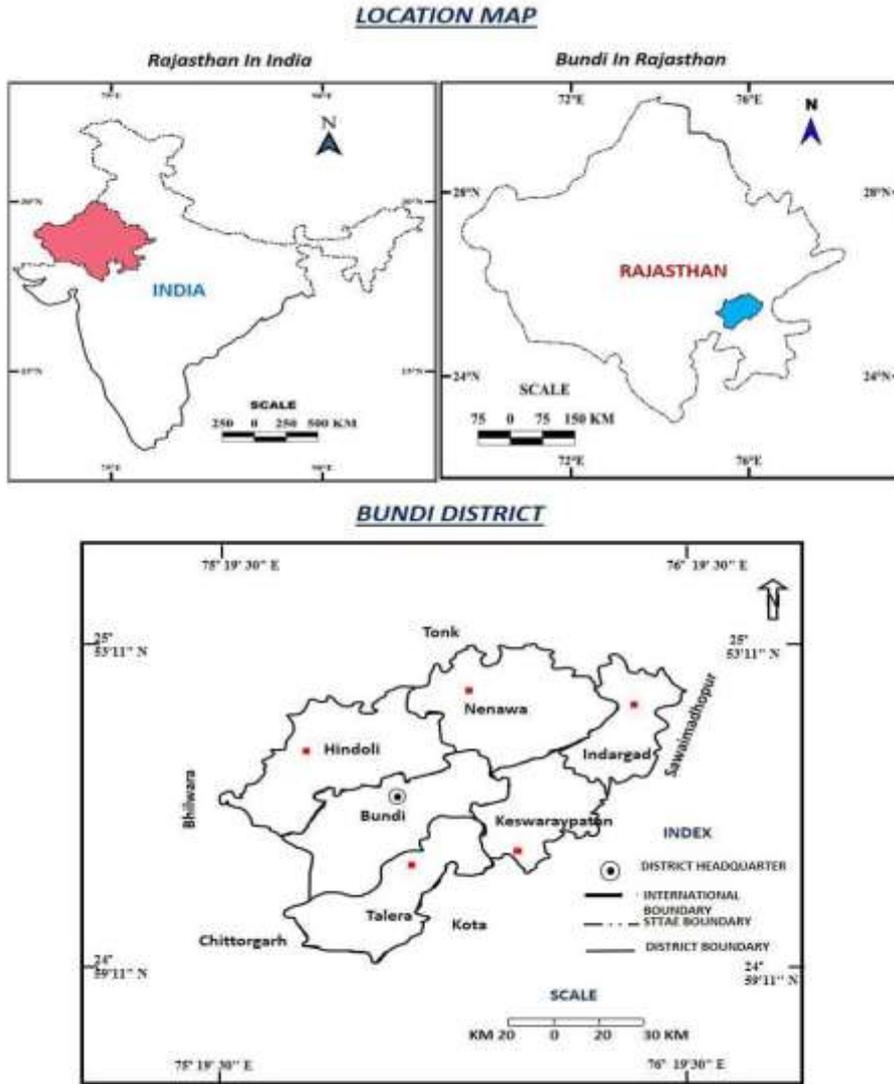
प्रस्तावना :-

कृषि शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के कृष धातु से हुई है, जिसका अर्थ जोतना या खोदना होता है वास्तव में कृषि अर्थव्यवस्था व जनसंख्या के जीवन स्तर को परिलक्षित करती है कृषि उत्पादकता जिसका सम्बन्ध प्राथमिक रूप से प्रति हेक्टेयर उत्पादन से है जो सभी भौतिक व मानवीय कारकों के अंतर्संबंधों का योग होती है, किसी इकाई क्षेत्र की उत्पादकता जलवायु एवं अन्य प्राकृतिक अनुकूलित तत्वों तथा कृषि सक्षमता की देन है जो कृषि क्षेत्र की सक्रियता, कृषि गहनता एवं कृषि कुशलता का परिणाम होती है, भौतिक प्रष्टभूमि, उन्नत बीजों का प्रयोग, सिंचाई के साधन, यंत्रीकरण, कृषक प्रशिक्षण आदि ऐसे आयाम हैं जो उत्पादकता में वृद्धि करते हैं।

किसी भी क्षेत्र का विकास तभी सम्भव है जब हमें यह ज्ञात हो की इस क्षेत्र में कोनसा ऐसा तथ्य या तत्व है जो इसे आर्थिक रूप से संपन्न बना सकता है उसमें कृषि हो सकती है, उद्योग हो सकता है खनन हो सकता है, या फिर कोई और तत्व।

अध्ययन क्षेत्र:-

शोध कार्य के लिए अध्ययन क्षेत्र के रूप में बूंदी जिले का चयन किया गया है जिसका विस्तार 24°59'11" से 25°53'11" उत्तरी अक्षांश और 75°19'30" से 76°19'30" पूर्वी देशांतर के मध्य है, यह अरावली की उपत्यका में बसा है बूंदी रियासत का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है, यह छोटी काशी के उपनाम से जाना जाता है बूंदी जिले के विकास का मुख्य आधार कृषि है, इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 5819.38 वर्ग किलोमीटर है 2011 की जनगणना के अनुसार बूंदी जिले की कुल जनसंख्या 1110906 है इसमें नगरीय जनसंख्या 222701 व ग्रामीण जनसंख्या 888205 है यहाँ 6 तहसीले व 878 ग्राम हैं प्रचलित जोतों का कुल क्षेत्रफल 263393.23 हेक्टेयर है कुल फसल क्षेत्र 502098 हेक्टेयर है



उद्देश्य :- इस शोध का प्रमुख उद्देश्य बूंदी जिले में कृषि उत्पादकता का अध्ययन करना है निम्न बिंदु अध्ययन में सम्मिलित है।

कृषि उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारको की पहचान करना

कृषि उत्पादकता का अध्ययन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों का परिक्षण करना

अध्ययन क्षेत्र में कृषि उत्पादकता का कृषि में संलग्न जनसंख्या की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का परिक्षण

अनुसन्धान पद्धति :-

किया जाने वाला शोध कार्य पूर्ण रूप से द्वितीयक आंकड़ो के ऊपर निर्भर है द्वितीयक आंकड़ो का संकलन सरकार द्वारा प्रकाशित आंकड़ो, अखबारों में प्रकाशित आंकड़ो, कृषि विभाग द्वारा जारी आंकड़ो, पूर्व में किये गये शोध के आंकड़ो, जिला सांख्यकी रूपरेखा में प्रकाशित आंकड़ो से किया गया है।

प्रमुख फसलो के अंतर्गत क्षेत्रफल :-

(हेक्टेयर में) 2022-23

तहसील	खाद्यान्न							योग 2+8
	बाजरा	ज्वार	गेहूँ	मक्का	जो	छोटाधान	चावल	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
बूंदी	1	11	33972	4287	479	6	27824	66580
तालेडा	0	1	26067	3864	50	0	21030	51012
के. पाटन	0	13	30307	1716	191	0	17030	49257
इन्द्रगढ़	791	54	7938	306	31	0	840	9960
नैनवा	572	12	14216	3438	465	0	147	18850
हिण्डोली	384	243	38264	21434	418	0	8930	69673
योग	1748	334	150764	35045	1634	6	75801	265332

तहसील	दाले				योग (10 से 13)	कुल खाद्य 9 +14
	चना	अरहर	अन्य खरीफ	अन्य रबी		
	10	11	12	13	14	15
बून्दी	678	0	3391	15	4084	70664
तालेडा	317	9	359	9	694	51706
के.पाटन	5824	0	6434	87	12345	61602
इन्द्रगढ़	3474	0	18580	18	22072	32032
नैनवां	6702	0	44209	730	51641	70491
हिण्डोली	816	0	8302	583	9701	79374

तहसील	तिलहन							योग (16 से 22)
	तिल	राई एवं सरसों	अलसी	मूंगफली	अरंडी	सौंहा/ तारामीरा	अन्य	
	16	17	18	19	20	21	22	
बून्दी	53	4601	10	0	0	3	2249	6916
तालेडा	20	1413	12	0	0	0	1969	3414
के.पाटन	31	7931	1	5	0	0	16960	24928
इन्द्रगढ़	182	20885	2	45	0	1	6350	27465
नैनवां	51	44440	188	39	0	0	11959	56677
हिण्डोली	303	7537	1	27	0	3	3298	11169
योग	640	86807	214	116	0	7	42785	130569

प्रमुख फसलो का उत्पादन :- (में. टन)

तहसील	खाद्यान्न							योग 2+8
	बाजरा	ज्वार	गेहूँ	मक्का	जो	छोटाधान	चावल	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
बूंदी	1	14	134528	11410	950	6	111127	258036
तालेडा	0	2	115040	12628	183	0	69744	197597
के. पाटन	0	26	151535	6296	955	0	59604	218416
इन्द्रगढ़	1876	47	37993	421	109	0	1462	41908
नैनवा	289	10	35540	1454	930	0	206	38429
हिण्डोली	293	56	133923	25810	1530	0	25359	186971
योग	2459	155	608559	58019	4657	6	267502	941357

तहसील	दाले				योग (10 से 13)	कुल खाद्य 9 +14
	चना	अरहर	अन्य खरीफ	अन्य रबी		
	10	11	12	13	14	15
बून्दी	1710	0	2533	15	4258	262294
तालेडा	496	4	208	17	725	198322
के.पाटन	8723	0	5761	87	14571	232987
इन्द्रगढ़	7962	0	18605	32	26599	68507
नैनवां	10053	0	18266	2008	30327	68756
हिण्डोली	2853	0	3550	2038	8441	195412
योग	31796.5	4	48923	4197	84921	1026277

तहसील	तिलहन							योग (16 से 22)
	तिल	राई एवं सरसों	अलसी	मूंगफली	अरंडी	सौंहा/ तारामीरा	अन्य	
	16	17	18	19	20	21	22	
बून्दी	22	6902	5	0	0	4	1640	8573
तालेडा	6	2719	20	0	0	0	2818	5563
के.पाटन	30	31724	1	15	0	0	24428	56198
इन्द्रगढ़	82	39159	2	54	0	1	3230	42528
नैनवां	10	44440	188	52.5	0	0	7776	52466.5
हिण्डोली	61	13538	1	21	0	5	2424	16050
योग	211	138482	217	142.5	0	10	42316	181378

प्रमुख फसलो का ओसत उत्पादन :-

फसलो के नाम	2018-19	2019-20	2020 -21	2021 -22	2022 -23
1	2	3	4	5	6
बाजरा	2490	771	1707	1430	1407
ज्वार	1070	18	654	704	464
गेंहू	5460	4951	5162	4053	4037
मक्का	2576	757	2318	2142	1656
जो	2580	2705	2577	2504	2850
चना	1599	1363	1492	1773	1785
तिलहन	6097	6150	5593	1299	1389
गन्ना	5530	4598	7375	8423	6626
चावल	4019	3104	3390	3620	3529

Crop wise agriculture productivity (hectares)in Bundi district in 2022-23

तहसील	गेंहू	चावल	मक्का	गन्ना	सरसों	जों	ज्वार	बाजरा	चना	तिल	अलसी	कुल योग
बूंदी	134528	111127	11410	14	6902	950	14	1	1710	22	5	266683
तालेडा	115040	69744	12628	6	2719	183	2	0	496	6	20	200824
के. पाटन	151535	59604	6296	1	31724	955	26	0	8723	30	1	258895
इन्दरगढ	37993	1462	421	0	39159	109	47	1876	7962	82	2	89113
नैनवा	35540	206	1454	35	44440	930	10	289	10053	10	188	93155
हिण्डोली	133923	25359	25810	187	13538	1530	56	293	2853	61	1	203611

Tehsil wise kendall's ranking crop ranking frequency 2022-23

रैंक ⇨ तहसील ⇩	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
बूंदी	50.49	41.67	4.27	2.588	.6412	.3562	.0082	.0052	.0052	.0018	.00037
	गेंहू	चावल	मक्का	सरसों	चना	जों	तिल	गन्ना	ज्वार	अलसी	बाजरा
तालेडा	57.28	34.72	6.28	1.35	.2469	.0911	.0099	.0029	.0029	.00099	
	गेंहू	चावल	मक्का	सरसों	चना	जो	अलसी	गन्ना	तिल	ज्वार	

के. पाटन	58.58	23.02	12.25	3.36	2.43	.3688	.011	.010	.00038	.00038	
	गेहू	चावल	सरसों	चना	मक्का	जो	तिल	ज्वार	गन्ना	अलसी	
इन्दरगढ	43.94	42.63	8.93	2.10	1.64	.1223	.4724	.0920	.05274	.0022	
	सरसों	गेहू	चना	बाजरा	चावल	जो	मक्का	तिल	ज्वार	अलसी	
नैनवा	47.70	38.15	10.79	1.56	.9983	.2211	.310	.2018	.035	.010	.010
	सरसों	गेहू	चना	मक्का	जो	चावल	बाजरा	अलसी	गन्ना	ज्वार	तिल
हिण्डोली	65.77	12.67	12.45	6.64	1.40	.750	.1439	.09184	.029	.027	.00049
	गेहू	मक्का	चावल	सरसों	चना	जो	बाजरा	गन्ना	तिल	ज्वार	अलसी

TEHSIL WISE CROP RANKING, SUM OF RANKS AND RANKING COEFFICIENT FOR 2022-23

तहसील	गेहू	चावल	मक्का	चना	सरसों	गन्ना	ज्वार	बाजरा	तिल	अलसी	जो	रैंक का योग	फसल की संख्या	कोठी गुणांक	रैंक
बूंदी	4	1	3	5	5	3	4	4	5	4	4	42	11	3.81	2
तालेडा	3	2	2	6	6	4	5	0	6	2	6	42	10	4.20	1
के. पाटन	2	3	4	3	3	5	3	0	3	6	3	35	10	3.50	3
इन्दरगढ	5	5	6	2	2	0	1	1	1	3	5	31	10	3.10	4
नैनवा	6	6	5	1	1	2	3	2	4	1	1	32	11	2.90	5
हिण्डोली	1	4	1	4	4	1	2	3	2	5	2	29	11	2.63	6

AGRICULTURE PRODUCTIVITY REGIONS BASED ON KENDALL'S RANKING COEFFICIENT 2022-23

SR. NO.	RANKING COEFFICIENT VALUE	PRODUCTIVITY LEVELS	NO. OF TEHSIL	TEHSIL S	% OF AREA
1	Below 3	High	2	Hindoli ,nainwa	43.78
2	3to 4	Moderate	3	Bundi , k.patan, indergarh	56.51
3	Above 4	Low	1	Taleda	Area included with bundi and k. patan

उपर्युक्त अध्ययन के अनुसार हम बूंदी जिले को उत्पादकता के भिन्न स्तरों पर परिभाषित कर सकते हैं

1. उच्च उत्पादकता स्तर :- इसमें 2 तहसीले सम्मिलित है जिसमें हिण्डोली व नैनवा शामिल है जो कुल क्षेत्र का 43 प्रतिशत से अधिक भाग रखती है इस क्षेत्र में हालाँकि सिंचाई की सुविधा केशोराय पाटन व बूंदी की अपेक्षा अधिक उन्नत नहीं है और फसले केवल बारिश व सिंचाई पर ही निर्भर करती है , इस क्षेत्र में गेहूँ, सरसों, मक्का, चना, जौ, तिल, बाजरा आदि प्रमुख फसलो के रूप में उपजी जाती है हिण्डोली तहसील सर्वाधिक 65.77% उत्पादकता रखता है (सभी फसलो के बोये गये कुल फसल क्षेत्र में)
2. मध्यम उत्पादकता स्तर :- इसमें बूंदी, पाटन, इन्दरगढ, तहसीले सम्मिलित है इस क्षेत्र में मुख्य फसले गेहूँ, मक्का, चावल,जो तिल आदि है के.पाटन में चम्बल नदी के कारण सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है तथा उपजाऊ मिट्टी के कारण उत्पादकता में बढ़ोतरी होती है और यही कारण है ही यहाँ चावल की अधिक पैदावार होती है पहले जब के. पाटन में शुगर मिल चालू थी यहाँ गन्ने की फसल भी अधिक होती थी.
3. कम उत्पादकता स्तर :- इसमें तालेडा को सम्मिलित किया गया है इस क्षेत्र में मुख्य रूप से गेहूँ, चावल,मक्का सरसों प्रमुख रूप से उपजाई जाने वाली फसले है इसका केन्डाल का कोठी गुणांक 4 से अधिक है

निष्कर्ष :- 11 मुख्य फसलो को लेकर बूंदी जिले की कृषि उत्पादकता का आंकलन किया गया है इसमें गेहूँ,चावल,मक्का,गन्ना,सरसों,जो,ज्वार,बाजरा,चना,तिल,और अलसी शामिल है सांख्यिकीय विभाग बूंदी द्वारा जारी रिपोर्ट, कृषि विभाग के आंकड़े,आदि द्वितीयक आंकड़ों के महत्वपूर्ण स्रोत थे केन्डाल के रैंकिंग गुणांक सूचकांक के आधार पर फसलो को प्रति इकाई क्षेत्र में उनकी उपज के आधार पर रैंक किया गया है ,परिणाम हमे बताते है की जिले में मुख्य रूप से गेहूँ, मक्का,चावल,चना,सरसों का उत्पादन किया जाता है अन्य फसले क्षेत्र की अनुकूलता, मूल्य, बाजार ,तथा अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए उपजी जाती है

बूंदी जिले में कृषि से सम्बंधित किसी बड़े उद्द्योग का न होना, किसानो का पारम्परिक कृषि पद्धति को अपनाना, क्षेत्रीय विषमता , वर्ष भर सिंचाई सुविधाओ का आभाव, कृषि जागरूकता की धीमी गति, हरित क्रांति की कम पहुँच, उन्नत कृषि उपकरणों का अभाव आदि कुछ ऐसे कारक है जो कृषि उत्पादकता के लिए हानिकारक है किसानो को इन के बारे में जागरूक करके सिंचाई सुविधाओ को बढ़ाकर कृषि उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है

सन्दर्भ सूची(REFERENCES):-

अहमद, महेंद्र सिंह राव और नेसार. *राजस्थान में कृषि की स्थिति सम्बंधित नीतिया एवं बजट आवंटन*. न्यू दिल्ली : सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस अकाउंट एबिलिटी .

गवर्नमेंट, राजधान स्टेट. *आर्थिक समीक्षा*. जयपुर : स्टेट गवर्नमेंट , 2022-23 .

तिवारी, डॉ आर सी. *कृषि भूगोल*. इलाहाबाद : प्रयाग पुस्तक भंडार , 2006 .

विभाग, एग्रीकल्चर. *बूंदी कृषि रिपोर्ट*. बूंदी : कृषि विभाग , 2022 .

विभाग, जनगणना. *जनगणना रिपोर्ट*. जयपुर : राजस्थान गवर्नमेंट , 2011 .

BHATIA, S. S. (1965). A NEW MEASURE OF AGRICULTURAL EFFICIENCY IN U.P. INDIA. ECONOMIC GEOGRAPHY , 244-260

bundi, c. d. (2011). census report . bundi.

CARTY, H. M. (1954). AGRICULTURAL GEOGRAPHY IN AMERICAN GEOGRAPHY:INVENTORY AND PROSPECTS., ASSO. OF AMERICAN GEOGRAPHERS .

department, a. (2021-22). agriculture report . bundi: agriculture department.

HUSSAIN, M. (1979). AGRICULTURAL GEOGRAPHY. DELHI : INTER INDIA PUBLICATION

HUSSAIN, M. (1982). CROP COMBINATION IN INDIA . NEW DELHI: CONCEPT PUB. CO..

R C TIWARI.) 2006 .(KRISHI BHUGOL. PRAYAG PUSTAK BHAWAN.

SHAH, M. (1984). AGRICULTURAL PRODCTIVITYAND REGIONAL IMBALANCES: A STUDY OF UTTAR PRADESH. NEW DELHI: CONCEPT PUB.CO

SHAN, M. (1972). MEASUREMENT OF AGRICULTURAL PRODUCTIVITY OF THE GREAT INDIAN PLAINS,
THE GEOGRAPHER VOL. 19 , 4-13